पिंगली वेंकैया, तिरंगे के अभिकल्पक

स्रोत: पी.आई.बी.

प्रधानमंत्री ने **पिंगली वेंकैया** को उनकी **जयंती (2 अगस्त)** पर श्रद्धांजलि दी।

- उन्होंने नागरिकों से 9 से 15 अगस्त, 2024 के दौरान तिरंगा फहराकर **हर घर तिरंगा आंदोलन** का समर्थन करने का भी आग्रह किया।

ध्वज का विकास:

- वर्ष 1916 में, पिंगली वेंकैया ने **भारत के लिये एक राष्ट्रीय ध्वज** नामक एक **पुस्तिका** प्रकाशित की, जिसमें अन्य देशों के झंडों से प्रेरित होकर **संभावित भारतीय ध्वज** के लगभग 30 डिज़ाइन शामिल थे।
- राष्ट्रीय ध्वज के लिये वेंकैया के डिज़ाइन को अंततः **वर्ष 1921** में **विजयवाड़ा** में कॉन्ग्रेस की बैठक में **महात्मा गांधी** द्वारा अनुमोदित किया गया था।
- **स्वराज ध्वज** कहे जाने वाले प्रारंभिक ध्वज में दो क्षैतिज पट्टियों में **2 लाल रंग** की और **एक हरे रंग** की थीं (जो क्रमशः **हिंदुओं और मुसलमानों के धार्मिक समुदायों का प्रतिनिधित्व** करती हैं) शामिल थीं। ध्वज में **चरखा** भी था, जो **स्वराज** का प्रतीक था।
  - महात्मा गांधी ने **वेंकैया** को **शांति** का प्रतीक करने के लिये एक श्वेत पट्टी जोड़ने की सलाह दी।
- **ध्वज समिति (1931)** ने **लाल रंग की जगह केसरिया** रंग लगाया और केसरिया को सबसे ऊपर रखा, **उसके बाद श्वेत** और **फिर हरा रंग** लगाया। चरखे को बीच में **श्वेत पट्टी** पर रखा गया।
  - **रंग गुणों के प्रतीक** थे, न कि समुदायों के। यानी **केसरिया साहस एवं बलिदान के लिये**, **सफेद सत्य एवं शांति के लिये** तथा **हरा विश्वास एवं शक्ति के लिये**। **चरखा जन-कल्याण के लिये** था।
- स्वतंत्रता के बाद, **राष्ट्रपति राजेंद्र प्रसाद** के नेतृत्व में एक राष्ट्रीय ध्वज समिति ने **चरखे की जगह अशोक चक्र लगाया।**

पिंगली वेंकैया:

- उन्होंने दूसरा **बोअर युद्ध (वर्ष 1899-1902) लड़ा।**
- वर्ष 1913 में, उन्होंने आंध्र प्रदेश के बापटला में **जापानी भाषा में एक व्याख्यान** दिया, जिसे **'जापान वेंकैया'** कहा जाता है।
- **कंबोडिया कॉटन** पर उनके शोध के लिये उन्हें **पट्टी वेंकैया** के नाम से भी जाना जाता था।
- वर्ष 2009 में, उनके योगदान के लिये एक **डाक टिकट जारी किया गया** था।

//

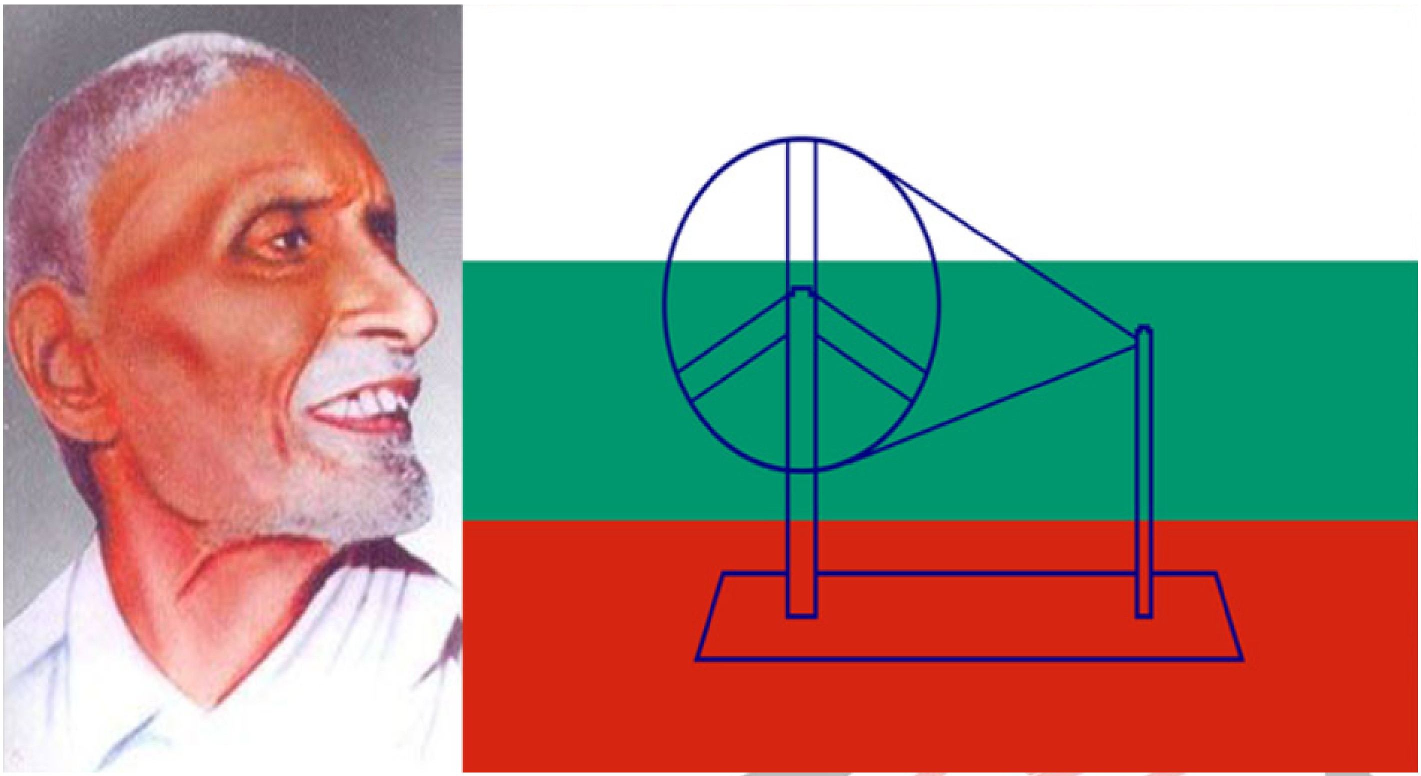

और पढ़ें: [राष्ट्रीय ध्वज दिवस]

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/pingali-venkayya,-the-man-behind-tricolour